RESEARCH REVIEW International Journal of Multidisciplinary 2021; 6(2):24-30
ISSN: 2455-3085 (Online)
https://doi.org/10.31305/rrijm.2021.v06.i02.006
Research Paper
Double Blind Peer Reviewed/Refereed Journal
https://www.rrjournals.com/

अम्बिकापुर एवं जगदलपुर नगर के कार्यशील महिलाओं की स्वास्थ्य दशा एवं स्वास्थ्य स्तर का भौगोलिक विश्लेषण

***[1]योगेन्द्र कुमार एवं [2]डॉ. सरला शर्मा**

[1]शोध छात्र, भूगोल अध्ययनशाला, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर (छ.ग.)
[2]प्रोफेसर, भूगोल अध्ययनशाला, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर (छ.ग.)

ABSTRACT

प्रस्तुत अध्ययन का प्रमुख उद्देश्य छत्तीसगढ़ राज्य के जनजातिय क्षेत्रों के अम्बिकापुर एवं जगदलपुर नगरों की कार्यशील महिलाओं के स्वास्थ्य दशा का अध्ययन अल्पकालिक एवं दीर्घकालिक बीमारी के आधार एवं स्वास्थ्य स्तर का अध्ययन विभिन्न बीमारियों के प्रकार के आधार पर भार प्रदान कर सयुंक्त भार सूचकांक ज्ञात कर भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में विश्लेषण किया गया है। दोनों नगरों की कुल चयनित कार्यशील महिलाओं के कार्यिक संरचना को दृष्टिगत रखते हुए, उद्देश्य पूर्ण दैव निदर्शन विधि द्वारा साक्षत्कार अनुसूची के माध्यम से जानकारी प्राप्त की गई। प्राप्त जानकारी का विश्लेषण कर कार्यशील महिलाओं की स्वास्य दशा एवं स्वास्थ्य स्तर की स्थिति का विश्लेषण किया गया।

Keywords: *अम्बिकापुर एवं जगदलपुर नगर की कार्यशील महिला, स्वास्थ्य दशा, स्वास्थ्य स्तर।*

Article Publication

Published Online: 14-Feb-2021

Author's Correspondence

योगेन्द्र कुमार
शोध छात्र, भूगोल अध्ययनशाला, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर (छ.ग.)

✉ yogi.msi786[at]gmail.com

© 2021The Authors. Published by *Research Review Journals*

This is an open access article under the CC BY-NC-ND license (https://creativecommons.org/licenses/by-nc-nd/4.0/)

प्रस्तावना :

स्वास्थ्य मानव जीवन का महत्वपूर्ण तथ्य है जो शारीरिक संरचना, मानसिक सुदृढ़ता का परिचायक होती है। स्वस्थ शरीर में क्रियाशीलता अधिक होने से मनुष्य के भौतिक व मानसिक क्षमता में भी वृद्धि होती है जो उत्तम जीवनशैली का निर्धारण करने में सहायक होता है इसलिए स्वास्थ्य का उत्तम होना आवश्यक होता है। उच्च स्वास्थ्य के लिए पोषण स्तर, आवसीय दशाएँ, चिकित्सा सुविधा, आर्थिक स्तर व शुद्ध वातावरण आदि प्रमुख तत्व है जिससे मनुष्य के उत्तम स्वास्थ्य का निर्धारण होता है। स्वस्थ शरीर के लिए प्रोटीनयुक्त आहार के पोषण से कार्यबल में वृद्धि होती है जिससे मनुष्य अधिक परिश्रमिक बनता है एवं उच्च आय प्राप्त कर अपने सामाजिक स्तर व जीवनगुणवत्ता में गुणात्मक विकास करता है। किसी भी क्षेत्र की आर्थिक विकास की दिशा एवं दशा व्यक्ति के स्वास्थ्य पर निर्भर करता है। स्वास्थ्य दशाएँ उत्तम होने पर श्रम शक्ति में नागरिकों की भागीदारी अधिक होती है। एक बीमार देश की श्रमशक्ति छोटी होती है तथा उत्पादन भी घटने लगता है। उत्पादन घटने से देश आर्थिक रूप से पिछड़ जाता है तथा व्यक्तियों का जीवन स्तर भी गिर जाता है (पंडा, 2015)। किसी भी क्षेत्र के आर्थिक विकास के लिए उस स्थान में निवासित जनसंख्या का स्वास्थ्य का उत्तम होना आवश्यक होता है क्योंकि स्वास्थ्य दशा के उच्च होन से वहाँ की शारीरिक क्रियाशीलता भी उच्च होती है जिसका प्रत्यक्ष प्रभाव मानव के कार्यशक्ति पर पड़ता है। मनुष्य के आर्थिक विकास में उत्तम स्वास्थ्य महत्वपूर्ण पक्ष है, जिससे स्वस्थ शरीर में श्रम शक्ति के उच्च होने से आय उपार्जन के मुख्य स्रोत में संलग्न होकर भौतिक सुविधाओं, आवासीय स्तर एवं उच्च पोषण स्तर प्राप्त कर अपने सामाजिक स्तर एवं जीवन गुणवत्ता में भी गुणात्मक विकास करता है। निरोगी व्यक्ति का कार्यशीलता रोगग्रस्त व्यक्ति से उच्च होता है जिसका प्रत्यक्ष प्रभाव उनके सामाजिक स्तर, आर्थिक स्तर एवं जीवनगुणवत्ता में दिखाई पड़ता है इसीलिए

क्रियाशीलता जनसंख्या के स्वास्थ्य दशा एवं स्वास्थ्य स्तर का अध्ययन आवश्यक है। वर्तमान में उच्च आर्थिक स्तर एवं बेहतर जीवन स्तर प्राप्त करने हेतू पुरूषों के साथ–साथ महिलाएँ अपने परिवार के आर्थिक स्तर में गुणात्मक वृद्धि करने के लिए घर से बाहर निकलकर नगर के मुख्य कार्यों में संलग्न हुई है, वहीं महिलाओं का परिवार में आर्थिक सहभागिता के बढ़ने के परिणामस्वरूप कामकाजी महिलाओं को परिवार एवं कार्यस्थल में दोहरी जिम्मेदारी का निर्वहन करने के कारण स्वास्थ्य स्तर भी प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित हो रही है। कार्य की प्रकृति शैक्षणिक योग्यता एवं कौशल शैली के प्रकृति के आधार पर निर्धारित होती है जैसे निम्न शैक्षणिक योग्यता या अशिक्षित महिलाएँ निम्न आर्थिक स्तर एवं अधिक परिश्रम करने वाले कार्यों में संलग्न होने से स्वास्थ्य स्तर भी निम्न स्तर का होता है, जबकि उच्च शैक्षणिक योग्यता एवं कार्यकुशल महिलाएँ उच्च आय प्राप्त होने वाले कार्यों में संलग्न होती है जिससे आर्थिक स्तर भी उच्च होता है, वहीं निम्न परिश्रम वाले कार्य एवं कार्यस्थल का वातावरण उत्तम होने के कारण स्वास्थ्य स्तर भी उच्च होता है।

अध्ययन क्षेत्रः–

अंबिकापुर (23^0 12′ उत्तरी अक्षांश एवं 83^0 20′ पूर्वी देशांतर) छत्तीसगढ़ के उत्तर–पूर्वी भाग में छोटा नागपुर पठार में आदिवासी बहुल क्षेत्र में स्थित सरगुजा जिले का एक व्यापारिक एवं प्रशासनिक नगर है। अंबिकापुर नगर से राष्ट्रीय राजमार्ग क्रं. 43, 130 एवं 243 गुजरती है। अंबिकापुर नगर का कुल क्षेत्रफल 24.49 वर्ग किमी. है।

वर्तमान में अंबिकापुर नगर 43 वार्डो में विभक्त है तथा सन् 2011 की जनगणना में नगर की कुल जनसंख्या 1,21,071 है, जिसमें पुरूषों का प्रतिशत (51.85) एवं महिलाओं के प्रतिशत (48.45) से अधिक है। अंबिकापुर नगर में लिंगानुपात 929 महिलाएँ प्रति हजार पुरूष है। नगर की कुल जनसंख्या में साक्षरता दर 87.83 प्रतिशत है, जिसमें पुरूष साक्षरता दर 92.56 प्रतिशत व महिला साक्षरता दर 82.77 प्रतिशत है। नगर में कुल जनसंख्या में 37,208 व्यक्ति कार्यशील जनसंख्या है। नगर की कुल कार्यशील जनसंख्या में महिलाओं का प्रतिशत 18.89 है। कुल कार्यशील महिलाओं में 2.77 प्रतिशत कृषि कार्य, 2.43 प्रतिशत खेतीहर मजदूर, 1. 69 प्रतिशत पारिवारिक उद्योग एवं 93.10 प्रतिशत महिलाएँ अन्य कार्यों में संलग्न हैं।

जगदलपुर नगर (19^0 07′ उत्तरी अक्षांश एवं 82^0 03′ पूर्वी देशांतर) छत्तीसगढ़ के आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र बस्तर का प्रमुख नगरीय केन्द्र है। जगदलपुर नगर बस्तर के इन्द्रावती नदी के तट पर स्थित है। जगदलपुर नगर का कुल क्षेत्रफल 50.49 वर्ग किमी. है। जगदलपुर नगर के मध्य से राष्ट्रीय राजमार्ग क्र. 30, 63एवं163 से गुजरती है जो नगर के छत्तीसगढ़ प्रदेश की राजधानी व अन्य महत्वपूर्ण नगरों से जोड़ती हैं।

जगदलपुर नगर 40 वार्डों में विभक्त है। जगदलपुर की कुल जनसंख्या 1,25,463 है जिसमें पुरूषो का प्रतिशत (50.02) एवं महिलाओं के प्रतिशत (48.99) से अधिक है। जगदलपुर नगर का लिंगानुपात 961 महिलाएं प्रतिहजार पुरूष है। नगर की कुल साक्षरता दर 84.91 प्रतिशत है। जिसमें पुरूष साक्षरता 90.84 प्रतिशत एवं महिला साक्षरता दर 78.77 प्रतिशत है। नगर में कुल जनसंख्या में 45,085 व्यक्ति कार्यशील जनसंख्या है। नगर की कुल कार्यशील महिलाओं का प्रतिशत 23.29 है। कुल कार्यशील महिलाओं में 0.90 प्रतिशत कृषि कार्य, 3.85 प्रतिशत खेतिहर मजदूर, 1.83 प्रतिशत पारिवारिक उद्योग एवं 93.41 प्रतिशत महिलाएँ अन्य कार्यों में संलग्न है।

विधितंत्र :–

प्रस्तुत अध्ययन प्राथमिक आँकड़ों पर आधारित है। अम्बिकापुर एवं जगदलपुर नगर की कार्यशील महिलाओं का चयन उनके कार्यिक प्रतिरूप को दृष्टिगत रखते हुए, उद्देश्य पूर्ण दैव निदर्शन विधि द्वारा किया गया। कार्यिक प्रतिरूप के आधार पर महिलाओं के सभी महत्वपूर्ण कार्यक्षेत्र को दृष्टिगत रखते हुए शासकीय सेवा, निजी संस्था में सेवा, केन्द्रीय सेवा, शिक्षा (शासकीय एवं गैर शासकीय), दुकान/व्यापार, मजदूरी, घरेलू मजदूरी एवं अन्य कार्यों इत्यादि कार्यक्षेत्र से महिलाओं का चयन किया गया। इस प्रकार दोनों नगरों से कुल 970 कार्यशील महिलाओं से जानकारियाँ प्राप्त की गई। प्राप्त जानकारी के आधार पर दोनों नगरों के कार्यशील महिलाओं की स्वास्थ्य दशा एवं स्वास्थ्य स्तर का भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में विश्लेषण किया गया।

अम्बिकापुर एवं जगदलपुर नगर के कार्यशील महिलाओं की स्वास्थ्य दशा का स्थानिक विश्लेषण

दोनों नगर के चयनित कार्यशील महिलाओं के स्वास्थ्य दशाओं का विश्लेषण बीमारी के आधार पर स्थानिक प्रकार से किया गया है। अम्बिकापुर एवं जगदलपुर नगर की कार्यशील महिलाओं के स्वास्थ्य दशा उनके रोजगार के प्रकार से प्रभावित होती है,

जिसका प्रत्यक्ष प्रभाव परिवार की आर्थिक स्तर, जीवन स्तर एवं आवासीय समस्याओं पर दिखाई पड़ता है। चयनित दोनों नगरों की कार्यशील महिलओं (39.89%) में निरोगी है। निरोगी महिलाओं का सर्वाधिक प्रतिशत जगदलपुर नगर (43.30%) एवं अम्बिकापुर नगर (36.04%) में कार्यशील महिला प्रदर्शित हुआ। इसके विपरीत चयनित दोनों नगरों की कार्यशील महिलाओं (60.10%) में महिलाएँ रोगग्रसित है। रोगग्रसित कार्यशील महिलाओं का उच्च प्रतिशत (63.96%) अम्बिकापुर नगर में प्राप्त हुआ, जबकि जगदलपुर नगर में रोगग्रस्त कार्यशील महिलाओं का प्रतिशत (56.70%) कम प्राप्त हुआ। अम्बिकापुर नगर स्वास्थ्यवर्धक नगर है किंतु यहाँ विकास की गति जगदलपुर नगर की अपेक्षा धीमी होने व छोटा नगर होने के कारण स्वास्थ्य सुविधा की कमी है जिसके कारण यहाँ रोगियों का प्रतिशत जगदलपुर नगर से उच्च है। रोगग्रसित कार्यशील महिलाओं (17.67%) में दीर्घकालिक बीमारियों से ग्रसित है, वहीं अल्पकालिक बीमारियों से ग्रसित कार्यशील महिलाओं का प्रतिशत 82.33 रहा। अल्पकालिक बीमारी से ग्रसित कार्यशील महिलाओं का उच्च प्रतिशत जगदलपुर नगर (84.25%) में प्राप्त हुआ। इसके विपरीत दीर्घकालिक बीमारी से ग्रसित कार्यशील महिलाओं का उच्च प्रतिशत अम्बिकापुर नगर (19.59%) में प्राप्त हुआ। दोनों नगरों के कुल चयनित कार्यशील महिलाओं में रोगग्रसित एवं निरोगी कार्यशील महिलाओं कें प्रतिशत (1.5 गुना) में का अंतर दृष्टव्य हुआ, वहीं अल्पकालिक एवं दीर्घकालिक कार्यशील महिलाओं कें प्रतिशत में (4 गुना) का अन्तर प्राप्त हुआ।

सारणी क्र. 01

अम्बिकापुर एवं जगदलपुर नगर के कार्यशील महिलाओं की स्वास्थ्य दशा का स्थानिक विश्लेषण, 2017

नगर	रोग ग्रसित	प्रतिशत	निरोगी	प्रतिशत	अल्पकालिक	प्रतिशत	दीर्घकालिक	प्रतिशत
अंबिकापुर	291	63.96	164	36.04	243	80.41	57	19.59
जगदलपुर	292	56.70	223	43.30	246	84.25	46	15.75
कुल	583	60.10	387	39.89	480	82.33	103	17.67

स्रोत–वयक्तिगत सर्वेक्षण,2017

अम्बिकापुर एवं जगदलपुर नगर के कार्यशील महिलाओं की स्वास्थ्य दशा प्रवास प्रतिरूप के आधार पर

कार्यशील महिलाओं के स्वास्थ्य दशा पर प्रवास प्रतिरूप का प्रभाव कार्यशील महिलाओं के स्वास्थ्य दशा पर प्रवास प्रतिरूपों के प्रभाव, जिले के अन्दर से प्रवासित, छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों से प्रवासित एवं भारत के अन्य राज्यों से प्रवासित कार्यशील महिलाओं के संदर्भ में विश्लेषण किया गया। चयनित दोनों नगरों में कुल अल्पकालिक बीमारी का सर्वाधिक प्रभाव जिले के अन्दर से प्रवासित कार्यशील महिलाओं (71.04 प्रतिशत) में प्राप्त हुआ, जबकि भारत के अन्य राज्यों से प्रवासित कुल कार्यशील महिलाओं (2.30 प्रतिशत) में अल्पकालिक बीमारी का प्रभाव निम्न रहा। इसी प्रकार दीर्घकालिक बीमारी से ग्रसित महिलाओं का सर्वाधिक प्रभाव छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों से प्रवासित कार्यशील महिलाओं (51.46 प्रतिशत) में उच्च प्राप्त हुआ, जबकि भारत के अन्य राज्यों से प्रवासित (15.54 प्रतिशत) कार्यशील महिलाओं में दीर्घकालिक बीमारी का प्रभाव न्यून रहा। स्थानिक दृष्टि से जिले के अन्दर से प्रवासित कार्यशील महिलाओं में अल्पकालिक बीमारी का सर्वाधिक प्रतिशत जगदलपुर नगर (80.89 प्रतिशत) में तथा न्यूनतम प्रतिशत अंबिकापुर नगर (60.68 प्रतिशत) में प्राप्त हुआ। दीर्घकालिक बीमारी से ग्रसित कार्यशील महिलाओं का सर्वाधिक प्रभाव (41.30 प्रतिशत) जगदलपुर नगर में रहा जबकि अंबिकापुर नगर (26.32 प्रतिशत) में न्यूनतम प्राप्त हुआ। इसके विपरीत छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों से प्रवासित कार्यशील महिलाओं में अल्पकालिक बीमारियों का सर्वाधिक प्रभाव (36.75 प्रतिशत) अंबिकापुर नगर में रहा, वहीं जगदलपुर नगर की कार्यशील महिलाओं (17.07 प्रतिशत) में अल्पकालिक बीमारी प्रभाव न्यूनतम रहा जबकि दीर्घकालिक बीमारी से ग्रसित कार्यशील महिलाओं का सर्वाधिक प्रभाव (39.13 प्रतिशत) जगदलपुर नगर में प्राप्त हुआ। भारत के अन्य राज्यों से प्रवासित कार्यशील महिलाओं में अल्पकालिक बीमारी का उच्च प्रभाव (2.56 प्रतिशत) अंबिकापुर नगर में अधिक परिलक्षित हुआ जबकि जगदलपुर नगर की (2.03 प्रतिशत) कार्यशील महिलाओं में अल्पकालिक बीमारी का प्रभाव नगण्य प्राप्त हुआ। इस प्रकार से स्पष्ट है कि जगदलपुर नगर में सर्वाधिक कार्यशील महिलाएं मजदुरी कार्य में संल्गन होने व निम्न आय स्तर के कारण महंगी चिकित्सा सुविधा से वंचित रहते है जिसके परिणामस्वरूप दीर्घकालिक बीमारी से ग्रसित कार्यशील महिलाओं का प्रभाव अंबिकापुर नगर की तुलना में अपेक्षाकृत उच्च रहा इसके विपरीत अंबिकापुर नगर में अल्पकालिक बीमारी का प्रभाव न्यूनतम प्राप्त हुआ।

सारणी क्र. 1.1

अम्बिकापुर एवं जगदलपुर नगर के कार्यशील महिलाओं की स्वास्थ्य दशा पवास प्रतिरूप के आधार पर विश्लेषण, 2017

नगर	जिले के अन्दर				छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों से				भारत के अन्य राज्यों से			
	अल्पकालिक	%	दीर्घकालिक	%	अल्पकालिक	%	दीर्घकालिक	%	अल्पकालिक	%	दीर्घकालिक	%
अंबिकापुर	142	60.68	15	26.32	86	36.75	35	61.40	6	2.56	7	12.28
जगदलपुर	199	80.89	19	41.30	42	17.07	18	39.13	5	2.03	9	19.57
कुल	341	71.04	34	33.00	128	26.66	35	51.46	11	2.30	16	15.54

स्रोत–वयक्तिगत सर्वेक्षण,2017

अम्बिकापुर एवं जगदलपुर नगर के कार्यशील महिलाओं की कालिक आधार पर स्वास्थ्य दशा

वर्ष 1980 के पूर्व कालिक वर्षों में अल्पकालिक बीमारी का प्रभाव न्यूनतम रहा। क्योंकि इस कालिक वर्षों तक छत्तीसगढ़ के औद्योगिक एवं नगरीय विकास की प्रगति धीमी रही थी। वर्ष 1980 के पूर्व चयनित दोनों नगरों की कार्यशील महिलाओं की कार्यशील महिलाओं में 0.65 प्रतिशत महिलाएँ ही अल्पकालिक बीमारी से ग्रसित हूई जिनका प्रतिशत 1981–2000 के कालिक वर्ष में बढ़कर (2. 71 प्रतिशत) व 1991–2000 के कालिक वर्ष में (3.75 प्रतिशत) रहा, वहीं अल्पकालिक बीमारी से ग्रसित कार्यशील महिलाओं में सर्वाधिक वृद्धि 2010 के कालिक वर्ष में (70.63 प्रतिशत) दृष्टव्य हुआ। 1980 से पूर्व के कालिक वर्षों में अल्पकालिक बीमारी से ग्रसित महिलाओं का सर्वाधिक प्रभाव जगदलपुर नगर में (0.81 प्रतिशत) एवं न्यूनतम् अंबिकापुर नगर (0.43 प्रतिशत) में प्राप्त हुआ क्योंकि दोनों नगर वनाच्छादित भू–भाग के मध्य स्थित है जिसके परिणामस्वरूप पर्यावरणीय प्रदूषण न्यूनतम रहा। इसके विपरीत दीर्घकालिक बीमारी की सर्वाधिक कार्यशील महिला रोगी का प्रतिशत 6.52 जगदलपुर नगर में एवं दीर्घकालिक रोगी का प्रतिशत 5.26 अंबिकापुर नगर में न्यूनतम परिलक्षित हुआ।

वर्ष 1981 से 1990 के कालिक वर्षों में अल्पकालिक बीमारी जगदलपुर नगर (2.85 प्रतिशत) में उच्चतम एवं न्यूतम अंबिकापुर नगर (2.56 प्रतिशत) में प्राप्त हुआ वहीं दीर्घकालिक बीमारी से ग्रसित रोगी का सर्वाधिक (26.09 प्रतिशत) जगदलपुर नगर में एवं दीर्घकालिक बीमारी का न्यूनतम रोगी (19.30 प्रतिशत) अंबिकापुर नगर में प्राप्त हुआ। वर्ष 1990 से 2000 के कालिक वर्षों में अल्पकालिक बीमारी का उच्च प्रतिशत 4.27 अंबिकापुर नगर में एवं जगदलपुर नगर में न्यूनतम (3.25 प्रतिशत) परिलक्षित हुआ। इसी प्रकार से दीर्घकालिक बीमारी का सर्वाधिक रोगी जगदलपुर नगर (34.78 प्रतिशत) में रहा, वहीं दीर्घकालिक रोगी का न्यूनतम प्रतिशत 26.32 अंबिकापुर नगर में दृष्टव्य हुआ।

वर्ष 2001 से 2010 के कालिक वर्षों में अल्पकालिक बीमारी से ग्रसित कार्यशील महिलाओं में सर्वाधिक वृद्धि जगदलपुर नगर (22.76 प्रतिशत) में तथापि न्यूनतम वृद्धि अंबिकापुर नगर (21.79 प्रतिशत) दर्ज की गई, इसके विपरीत दीर्घकालिक बीमारी का अधिकतम प्रभाव 29.82 प्रतिशत अंबिकापुर नगर में एवं न्यूनतम प्रभाव (19.57 प्रतिशत) जगदलपुर नगर में रहा।

वर्ष 2010 के कालिक वर्षों में अंबिकापुर नगर में (70.94 प्रतिशत) अल्पकालिक बीमारी एवं दीर्घकालिक बीमारी (19.30 प्रतिशत) का प्रभाव अधिकतम रहा, वहीं जगदलपुर नगर में अल्पकालिक (70.33 प्रतिशत) तथा दीर्घकालिक (13.04 प्रतिशत) बीमारी का प्रभाव न्यूनतम प्राप्त हुआ। 2010 के बाद के कालिक वर्षों में छत्तीसगढ़ के प्रमुख नगरों के जनसंख्या में वृद्धि होने से भौतिक सुविधाओं जैसे सुगम यातायात हेतू परिवहन में भी वृद्धि हुई वहीं निम्न आय के कार्य में संलग्न कार्यशील महिलाओं के कार्यस्थल में वातावरण स्वच्छ न होने के कारण अल्पकालिक व दीर्घकालिक बीमारी में वृद्धि हुआ तथा जनसंख्या अनुरूप मानव आवासीय एवं पर्यावरणीय समस्याओं का कार्यशील महिलाओं के स्वास्थ्य दशा पर विपरीत प्रभाव परिलक्षित हुआ।

सारणी क्र. 1.2

अम्बिकापुर एवं जगदलपुर नगर के कार्यशील महिलाओं की स्वास्थ्य दशा कालिक आधार पर, 2017

नगर	अम्बिकापुर				जगदलपुर			
काल	अल्पकालिक	प्रतिशत	दीर्घकालिक	प्रतिशत	अल्पकालिक	प्रतिशत	दीर्घकालिक	प्रतिशत
1980 से पूर्व	1	0.43	3	5.26	2	0.81	3	6.52
1981–1990	6	2.56	11	19.30	7	2.85	12	26.09
1991–2000	10	4.27	15	26.32	8	3.25	16	34.78
2001–2010	51	21.79	17	29.82	56	22.76	9	19.57
2010 के बाद	166	70.94	11	19.30	173	70.33	6	13.04
कुल	234	48.75	57	55.34	246	51.25	46	44.66

स्रोत–वयक्तिगत सर्वेक्षण,2017

अम्बिकापुर एवं जगदलपुर नगर के कार्यशील महिलाओं की जाति आधार पर स्वास्थ्य दशा

चयनित दोनों नगर की कुल कार्यशील महिलाओं में अल्पकालिक बीमारी से ग्रसित महिलाओं का सर्वाधिक प्रभाव अनुसूचित जनजाति (43.54 प्रतिशत) में प्राप्त हुआ वहीं अनुसुचित जाति की (12.08 प्रतिशत) कार्यशील महिलाओं में अल्पकालिक बीमारी का प्रभाव नगण्य रहा। अनुसूचित जनजाति के अल्पकालिक व दीर्घकालिक बीमारी से ग्रसित अनुसूचित जाति की कार्यशील महिलाओं में 3.6 गुना अंतर दृष्टव्य हुआ। इसके विपरीत चयनित सभी मुख्य जातियों में दीर्घकालिक बीमारी का सर्वाधिक प्रभाव अनुसूचित जनजाति (35.92 प्रतिशत) कार्यशील महिलाओं में एवं दीर्घकालिक बीमारी का न्यूनतम प्रभाव अनुसूचित जाति के (6.80 प्रतिशत) कार्यशील महिलाओं पर दृष्टव्य हुआ।

स्थानिक दृष्टि से अनुसूचित जनजाति की कार्यशील महिलाओं में अल्पकालिक बीमारी का सर्वाधिक प्रभाव (45.73 प्रतिशत) में व न्यूनतम प्रभाव भी अंबिकापुर नगर के अनुसूचित जाति (6.84 प्रतिशत) में परिलक्षित हुआ। इसके विपरीत अंबिकापुर नगर में अनुसूचित जनजाति के (38.60 प्रतिशत) एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के (38.60 प्रतिशत) कार्यशील महिलाएं सर्वाधिक दीर्घकालिक बीमारी से ग्रसित हुई है। इसी प्रकार से अन्य पिछड़ा वर्ग में अल्पकालिक बीमारी से ग्रसित कार्यशील महिलाओं में जगदलपुर नगर की तुलना में अंबिकापुर नगर (29.06 प्रतिशत) में अधिक परिलक्षित हुआ इसके विपरीत चयनित दोनों नगरों की अन्य पिछड़ा वर्ग कार्यशील महिलाओं में दीर्घकालिक बीमारी का सर्वाधिक प्रभाव(38.60 प्रतिशत) अंबिकापुर नगर में रहा। अन्य जाति में अल्पकालिक बीमारी से ग्रसित कार्यशील महिलाओं का सर्वाधिक प्रतिशत (18.38 प्रतिशत) अंबिकापुर नगर में व न्यूनतम प्रतिशत (17.07 प्रतिशत) प्राप्त हुआ वहीं अन्य जाति में दीर्घकालिक बीमारी से ग्रसित कार्यशील महिलाओं का 32.61 प्रतिशत जगदलपुर नगर में उच्चतम प्राप्त हुआ जबकि न्यूनतम प्रतिशत अंबिकापुर नगर में दृष्टव्य हुआ। उक्त दोनों नगर आदिवासी बहुल क्षेत्र के प्रतिनिधि नगर है, जहाँ कार्यशील महिलाओं के निम्न शैक्षणिक स्तर एवं निम्न आर्थिक स्तर, स्वास्थ्य दशा को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करते है। दोनों नगर अनुसूचित क्षेत्र होने के कारण रूढ़िवादी मान्यताओं पर आधारित गैर परंपरागत चिकित्सा साधनों का उपयोग करते है जिससे उनके स्वास्थ्य दशा पर विपरीत प्रभाव परिलक्षित हुआ है।

सारणी क्र. 1.3

अम्बिकापुर एवं जगदलपुर नगर के कार्यशील महिलाओं की जाति आधार पर स्वास्थ्य दशा, 2017

नगर	sc				st				obc				other			
	अल्पकालिक	%	दीर्घकालिक	%	अल्पकालिक	%	दीर्घकालिक	%	अल्पकालिक	%	दीर्घकालिक	%	अल्पकालिक	%	दीर्घकालिक	%
अंबिकापुर	16	6.84	3	5.26	107	45.73	22	38.60	68	29.06	22	38.60	43	18.38	10	17.54
जगदलपुर	42	17.07	4	8.70	102	41.46	15	32.61	60	24.39	12	26.09	42	17.07	15	32.61
कुल	58	12.08	7	6.80	209	43.54	37	35.92	128	26.66	34	33.00	85	17.72	25	24.78

स्रोत–वयक्तिगत सर्वेक्षण,2017

अम्बिकापुर एवं जगदलपुर नगर के कार्यशील महिलाओं की प्रवास के अनुसार स्वास्थ्य स्तर

चयनित दोनों नगर की कार्यशील महिलाओं के स्वास्थ्य स्तर का प्रवास प्रतिरूप के आधार पर विश्लेषित किया गया है। निम्न स्वास्थ्य स्तर का सर्वाधिक प्रतिशत छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों से प्रवासित कार्यशील महिलाओं (5.46%) में प्राप्त हुआ, जबकि उच्च स्वास्थ्य स्तर का उच्च प्रतिशत जिले के अन्दर से प्रवासित कार्यशील महिलाओं (24.75%) में प्राप्त हुआ। स्थानिक दृष्टि से निम्न स्वास्थ्य स्तर (1.2 गुना) में जिले के अन्दर से प्रवासित कार्यशील महिलाओं एवं उच्च स्वास्थ्य स्तर के स्थानिक वितरण में सर्वाधिक स्थानिक विभेद छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों से प्रवासित कार्यशील महिलाओं (1.3 गुना) प्राप्त हुआ। इसके विपरीत निम्न स्वास्थ्य स्तर का न्यूनतम स्थानिक विभेद छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों से प्रवासित कार्यशील महिलाओं (1.1 गुना) में एवं उच्च स्वास्थ्य स्तर में सबसे कम स्थानिक विभेद भारत के अन्य राज्यों से प्रवासित कार्यशील महिलाओं (1 गुना) में प्राप्त हुआ। प्रवास प्रतिरूप के आधार पर निम्न स्वास्थ्य स्तर का उच्च प्रतिशत (26.47%) जगदलपुर नगर में भारत के अन्य राज्यों से प्रवासित कार्यशील महिलाओं में प्राप्त हुआ एवं उच्च स्वास्थ्य स्तर का का सर्वाधिक प्रतिशत अम्बिकापुर नगर (59.38%) में प्राप्त हुआ, जबकि जगदलपुर नगर (5.08%) में जिले के अन्दर से प्रवासित कार्यशील महिलाओं में निम्न स्वास्थ्य स्तर का न्यूनतम प्रतिशत प्राप्त हुआ, वहीं मध्यम स्वास्थ्य स्तर का उच्च प्रतिशत अम्बिकापुर नगर में जिले के अन्दर से प्रवासित कार्यशील महिलाओं (58.92%) में प्राप्त हुआ। इसके विपरीत जगदलपुर नगर में निम्न स्वास्थ्य स्तर का प्रतिशत निम्न रहा, जबकि उच्च स्वास्थ्य स्तर का सर्वाधिक प्रतिशत अम्बिकापुर नगर में प्राप्त हुआ। अम्बिकापुर नगर की कार्यशील महिलाओं का स्वास्थ्य के प्रति अधिक जागरूक रहने का प्रमुख कारण जगदलपुर नगर की कार्यशील महिलाओं की तुलना में उच्च साक्षारता स्तर एवं उच्च आर्थिक स्तर के कार्यों में संलग्न होना हैं।

सारणी क्र. 1.4

अम्बिकापुर एवं जगदलपुर नगर के कार्यशील महिलाओं का स्वास्थ्य स्तर प्रवास प्रतिरूप के आधार पर, 2017

जिले के अन्दर							छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिले से						भारत के अन्य राज्यों से					
नगर	निम्न स्तर	प्रतिशत	मध्यम स्तर	प्रतिशत	उच्च स्तर	प्रतिशत	निम्न स्तर	प्रतिशत	मध्यम स्तर	प्रतिशत	उच्च स्तर	प्रतिशत	निम्न स्तर	प्रतिशत	मध्यम स्तर	प्रतिशत	उच्च स्तर	प्रतिशत
अम्बिकापुर	15	6.22	142	58.92	84	34.85	35	19.23	86	47.25	61	33.52	7	21.88	6	18.75	19	59.38
जगदलपुर	19	5.08	199	53.21	156	41.71	18	16.82	42	39.25	47	43.93	9	26.47	5	14.71	20	58.82
कुल	34	3.50	341	35.16	240	24.75	53	5.46	128	13.19	108	11.14	16	1.65	11	1.13	39	4.02

स्रोत–वयक्तिगत सर्वेक्षण,2017

अम्बिकापुर एवं जगदलपुर नगर के कार्यशील महिलाओं की कालिक आधार पर स्वास्थ्य स्तर

अम्बिकापुर एवं जगदलपुर नगर की कार्यशील महिलाओं का विभिन्न कालिक वर्षों के आधार पर स्वास्थ्य स्तर का विश्लेषण किया गया हैं। 1980 के बाद के कालिक वर्षों में निम्न स्वास्थ्य स्तर के प्रतिशत में जहाँ तीव्रता से कमी हूई, वहीं उच्च एवं मध्यम स्वास्थ्य स्तर में वृद्धि हूई है। वर्ष 1980 के पूर्व निम्न स्वास्थ्य स्तर की कार्यशील महिलाओं का प्रतिशत (41.67%) थी, जो वर्ष 1981 से 1990 के कालिक वर्षों में बढ़कर (51.22%) हो गई, वहीं 1991 से 2000 के कालिक वर्ष में घटकर (26.88%) प्रतिशत, वर्ष 2001 से 2010 के कालिक वर्षों में (10.07%) एवं 2010 के बाद के कालिक वर्ष में निम्न स्वास्थ्य स्तर के प्रतिशत में कमी हूई। 1980 के पूर्व कालिक वर्षों में (25.00%) कार्यशील महिलाएँ उच्च स्वास्थ्य स्तर में थी जबकि 1981 से 1990 के कालिक वर्ष (19.51%) महिलाओं का स्वास्थ्य स्तर उच्च रहा। इसी प्रकार से 1991 से 2000 के कालिक वर्ष में बढ़कर (43.01%) एवं 2010 के बाद के कालिक वर्षों में उच्च स्वास्थ्य स्तर में (43.56%) प्रतिशत की वृद्धि हूई। स्थानिक दृष्टि से वर्ष 1980 के पूर्व के कालिक वर्ष में कार्यशील महिलाओं में निम्न स्वास्थ्य स्तर का उच्च प्रतिशत जगदलपुर नगर (42.86%) एवं न्यूनतम प्रतिशत अम्बिकापुर नगर (40. 00%) में प्राप्त हुआ, जबकि उच्च स्वास्थ्य स्तर का उच्च प्रतिशत जगदलपुर नगर (28.57%) एवं न्यूनतम प्रतिशत अम्बिकापुर नगर (20.00%) में प्राप्त हुआ। इसके विपरीत वर्ष 1981 से 1990 के कालिक वर्षों में कार्यशील महिलाओं के निम्न स्वास्थ्य स्तर का उच्च प्रतिशत जगदलपुर नगर (56.00%) में एवं न्यूनतम प्रतिशत अम्बिकापुर नगर (43.75%) प्रतिशत प्रदर्शित हुआ। इसी प्रकार इस कालावधि में कार्यशील महिलाओं का उच्च स्वास्थ्य स्तर का उच्च प्रतिशत जगदलपुर नगर (20.00%) में एवं न्यूनतम प्रतिशत अम्बिकापुर नगर (18.75%) प्राप्त हुआ। 1991 से 2000 के कालिक वर्षों में निम्न स्वास्थ्य स्तर का उच्च प्रतिशत अम्बिकापुर नगर (35.14%) में जगदलपुर नगर (21.43%) की अपेक्षा अधिक रहा, जबकि उच्च स्वास्थ्य स्तर का सर्वाधिक प्रतिशत जगदलपुर नगर (46. 43%) में प्राप्त हुआ। 2001 से 2010 के कालिक वर्षों में निम्न स्वास्थ्य स्तर का सर्वाधिक प्रभाव अम्बिकापुर नगर (27.27%) में प्राप्त हुआ। इसी प्रकार से इस कालिक वर्ष में उच्च स्वास्थ्य स्तर का उच्च प्रतिशत अम्बिकापुर नगर (43.43%) में एवं न्यूनतम प्रतिशत जगदलपुर नगर (28.99%) में प्रदर्शित हुआ, जबकि 2010 के बाद के कालिक वर्षों में निम्न स्वास्थ्य स्तर के प्रतिशत में ह्रास्य हुआ न्यूनतम प्रतिशत जगदलपुर नगर (3.11%) में एवं अम्बिकापुर नगर (4.36%) में प्राप्त हुआं। इसके विपरीत उच्च स्वास्थ्य स्तर का प्रतिशत अम्बिकापुर नगर (49.33%) एवं जगदलपुर नगर (50.52%) में न्यूनतम अन्तर दर्ज हुआ।

अम्बिकापुर एवं जगदलपुर नगर के कार्यशील महिलाओं की जाति संरचना के आधार पर स्वास्थ्य स्तर

कार्यशील महिलाओं के स्वास्थ्य स्तर के निर्धारण में जाति संरचना भी महत्वपूर्ण कारक है। चयनित कार्यशील महिलाओं में निम्न स्वास्थ्य स्तर का सर्वाधिक प्रतिशत अनुसूचित जनजाति (3.81%) मे प्राप्त हुआ, वहीं इसका न्यूनतम प्रतिशत अनुसूतिचत जाति (0.72%) की कार्यशील महिलाओं में प्राप्त हुआ। इसके विपरीत उच्च स्वास्थ्य स्तर का उच्च प्रतिशत अनुसूचित जनजाति (18.14%) की कार्यशील महिलाओं (5.57%) में प्राप्त हुआ। स्थानिक दृष्टि से अन्य पिछड़ा वर्ग के निम्न स्वास्थ्य स्तर का उच्च प्रतिशत 20.18 अम्बिकापुर नगर में प्रदर्शित हुआ जबकि उच्च स्वास्थ्य स्तर का उच्च प्रतिशत अम्बिकापुर नगर के अनुसूचित जाति वर्ग (48.65%) में प्राप्त हुआ। इसी प्रकार से उच्च स्वास्थ्य स्तर का न्यूनतम प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग का अम्बिकापुर नगर (17.43%) में अधिक परिलक्षित हुआ। निम्न स्वास्थ्य स्तर का न्यूनतम प्रतिशत 4.88 जगदलपुर नगर के अनुसूचित जाति वर्ग में प्राप्त हुआ। विभिन्न जाति

के स्वास्थ्य स्तर में सबसे अधिक स्थानिक विभेद निम्न स्वास्थ्य स्तर में अन्य पिछड़ा वर्ग की कार्यशील महिलाओं (2 गुना) में एवं उच्च स्वास्थ्य स्तर के स्थानिक वितरण में अन्य पिछड़ा वर्ग (2.3 गुना) में प्राप्त हुआ जो नगरीय विकास के साथ जाति संरचना में स्थानिक भिन्नता का प्रतिफल है।

निष्कर्ष :– कार्यशील महिलाओं की कार्यिक दशा एवं कार्यस्थल की सुविधाओं का प्रत्यक्ष प्रभाव स्वास्थ्य दशा पर परिलक्षित हुआ। स्थानिक दृष्टि से दोनों नगरों में कुल चयनित कार्यशील महिलाओं में सर्वाधिक मजदूरी जैसे निम्न आर्थिक कार्यों में संलग्न हैं, जिसके कारण दोनों नगर की कार्यशील महिलाओं निम्न स्वास्थ्य दशा एवं निम्न स्वास्थ्य स्तर की महिलाओं का प्रतिशत उच्च रहा वहीं निम्न शैक्षणिक स्थिति एवं निम्न आर्थिक स्तर के कारण जगदलपुर नगर में निम्न स्वास्थ्य स्तर की महिलाओं का प्रतिशत अधिक रहा। जगदलपुर एवं अम्बिकापुर दोनों नगरों में सर्वाधिक कार्यशील महिलाएँ अल्पकालिक बीमारी से ग्रसित है जबकि दीर्घकालिक बीमारी ग्रसित महिलाओं का प्रतिशत न्यूनतम प्राप्त हुआ। दोनों नगर आदिवासी प्रतिनिधि नगर है जिसके के कारण अनुसूचित जनजाति की कार्यशील महिलाएँ निम्न स्वास्थ्य स्तर में उच्च प्राप्त हुई। अम्बिकापुर नगर की कार्यशील महिलाएँ जगदलपुर नगर की कार्यशील महिलाओं की अपेक्षा अधिक शिक्षित होने के कारण स्वास्थ्य के प्रति अधिक जागरूक है एवं स्वंय के व्याव्साय कार्य में अधिक संलग्न से निम्न स्वास्थ्य स्तर का प्रतिशत भी निम्न प्राप्त हुआ जबकि जगदलपुर नगर की कार्यशील महिलाओं का स्वास्थ्य स्तर निम्न एवं उच्च स्वास्थ्य स्तर में उच्च प्रतिशत प्राप्त हुआ। जगदलपुर नगर में निम्न आर्थिक स्तर के कार्य में संलग्न कार्यशील महिलाओं की संख्या अधिक है एवं अम्बिकापुर नगर की तुलना में जनसंख्या की दृष्टि बड़ा नगर है।

संदर्भ ग्रंथ सूची

[1]. बोरकर, हेमलता, ''कार्यशील महिलाओं की सामाजिक भूमिका एवं संघर्ष'', सिंघई पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स, रायपुर छ.ग., वंर्श 2011. पृ. 32–33.

[2]. ताम्रकार, मीनाक्षी, ''रायपुर नगर की कार्यशील महिलाओं पर पारिवारिक पृष्ठभूमि का प्रभावः एक स्थानिक–कालिक विश्लेषण'' शोध प्रबंध, पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि.रायपुर, छ.ग., वर्ष 2017, पृ. 92.

[3]. पंडा, बी.पी. एवं वर्मा, एल.एन. (2015): जनसंख्या भूगोल, म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी, पृ. 214।

[4]. शर्मा, सरला, '' छ.ग. के नगरों में कार्यशील महिलाओं की व्यावसायिक प्रतिरूप एवं जीवन गुणवत्ता का भौगोलिक विश्लेषण '' वृहद शोध परियोजना, पं.रवि.शु. वि.वि. रायपुर छ.ग., वर्ष 2019.

[5]. Bisaliah, S., "Technology Output And Factor Effects On Employment", Manpower Journal, Vol.15 No. 2, Year 1979, Pp. 35.

[6]. Romotra, K.C., Spatial Analysis Of Female Participation In Economic Activities In Maharashtra, Adh Publishing Corporation, New Delhi, Year 1999, Pp. 229.